जय बजरंगबली,
स्वामी जय बजरंगबली,
जब ली शरण तुम्हारी,
जब ली शरण तुम्हारी,
तब सब विपत हरे,
ॐ जय बजरंगबली।।

राम काज के कारण,
पार कियो सिंधु,
अपने भक्त जनों के,
तुम ही हो बंधू,
ॐ जय बजरंगबली।।

भूत प्रेत के भय को,
क्षण भर में हरते,
विद्या बुध्दि बढ़ाकर,
सुख सम्पति करते,
ॐ जय बजरंगबली।।

सीता पता लगाया,
अक्षय को मारा,
राक्षस पुंज पछाड़ा,
फिर लंका जारी,
ॐ जय बजरंगबली।।

लक्ष्मण प्राण बचाए,
लाए अमृत बूटी,
बस एक आप ही लाते,
जीवन की बुटी,
ॐ जय बजरंगबली।।

वायु पुत्र गुण सागर,
आप ही कहलाये,
जय हनुमान महा प्रभु,
अंजनी के जाये,
ॐ जय बजरंगबली।।

रामभक्त की आरती,
जो कोई नर गावे,
कहत शिवानन्द स्वामी,
सुख सम्पति पावे,
ॐ जय बजरंगबली।।

जय बजरँगबली,
स्वामी जय बजरंगबली,
जब ली शरण तुम्हारी,
जब ली शरण तुम्हारी,
तब सब विपत हरे,
ॐ जय बजरंगबली।।

Upload By Dev Patidar
8602107414
Video Not Available.

Source:
https://www.bharattemples.com/jai-bajrangbali-swami-jai-bajrangbali-aarti/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw